तन के मैल के लिए तो कई साबुन है, मगर मन का मैल धोने के लिए सिर्फ अच्छी सोच की जरुरत है..

"सच्ची खोज अच्छी खबर"

ज्ञान सरोवर

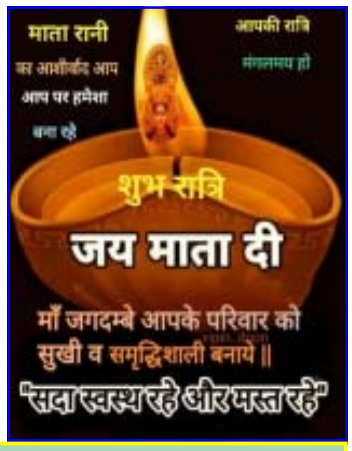

R.N.I.Reg.No.MAHHIN/2009/27377 (हिन्दी साप्ताहिक) डाक पंजीकरण संख्या- MH/MR/North East/237/2012-14

वर्ा : 17 अंक : 31 (प्रत्येक गुरूवार) मुम्बई, 25 सितम्बर से 01 अक्टूबर, 2025 पृठ : 8 मूल्य : 2.00 रूपये

राहुल गांधी के विरुद्ध मानहानि मामले में एक गवाह से हुई जिरह पूरी, अगली सुनवाई नौ अक्टूबर को

सुलतानपुर की सांसद/विधायक अदालत में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं रायबरेली से सांसद राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि के मामले में मंगलवार को एक गवाह से जिरह पूरी कर ली गई और अब दूसरे गवाह से जिरह नौ अक्टूबर को की जाएगी। गांधी के अधिवक्ता ने यह जानकारी दी। रायबरेली से सांसद के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने बताया कि मंगलवार को गवाही देने के लिए उपस्थित थाना कोतवाली देहात क्षेत्र के पिताम्बरपुर कलां निवासी अनिल मिश्रा से पूर्व में नौ सितंबर को शुरू हुई जिरह पूरी नहीं हो सकी थी, जिसे आज पूरा कर लिया गया। उन्होंने बताया कि अब नौ अक्टूबर को दूसरे गवाह रामचंद्र दूबे से जिरह होगी। कोतवाली देहात क्षेत्र के हनुमानगंज निवासी एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता विजय मिश्रा ने वर्ष 2018 में राहुल गांधी के विरुद्ध मानहानि का

मुकदमा सांसद/विधायक अदालत में दर्ज कराया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि 2018 में कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने कथित रूप से एक अभद्र टिप्पणी की थी, जिससे वे आहत हुए। अदालत में पांच वर्षों तक मामले की सुनवाई चली, लेकिन राहुल गांधी हाजिर नहीं हुए।

दिसंबर 2023 में तत्कालीन न्यायाधीश ने उनके विरुद्ध वारंट जारी करते हुए उन्हें तलब किया था। इसके बाद, फरवरी 2024 में राहुल गांधी ने अदालत में आत्मसमर्पण किया। विशेष मजिस्ट्रेट ने उन्हें 25–25 हजार रुपये के दो मुचलकों पर जमानत दे दी थी। इसके बाद अदालत ने उन्हें बयान दर्ज कराने के लिए तलब किया था। कई तारीखों के बाद, 26 जुलाई को राहुल गांधी अदालत पहुंचे और अपना बयान दर्ज कराया। उन्होंने स्वयं को निर्दोष बताते हुए कहा कि उनके खिलाफ राजनीतिक साजिश की गई है। इसके बाद अदालत ने वादी को साक्ष्य प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। वादी पक्ष के अधिवक्ता संतोष कुमार पांडेय ने 28 अप्रैल को अदालत में अनिल मिश्रा को बतौर गवाह पेश किया था, जिनसे राहुल गांधी के अधिवक्ता काशी प्रसाद शुक्ला ने जिरह की थी।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बारिश प्रभावित किसानों को हर संभव मदद का आश्वासन दिया

मुम्बई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बुधवार को प्रशासन को निर्देश दिया कि उन किसानों को तत्काल सहायता सुनिश्चित की जाये जिनकी फसलों को राज्य में हाल में हुई भारी बारिश से नुकसान पहुंचा है। पवार ने सोलापुर जिले के करमाला तालुका का दौरा किया और किसानों और स्थानीय अधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने किसानों से हौसला बनाये रखने का आग्रह किया और उन्हें हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। पिछले कुछ दिनों में महाराष्ट्र के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई है, जिससे व्यापक क्षति हुई है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "लगातार भारी बारिश के कारण फसलों को काफी नुकसान हुआ है। मैं फसलों का निरीक्षण करने के लिए खेतों में गया। मैंने किसानों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को समझा और नुकसान के बारे में जानकारी एकत्र की।" उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्रशासन सावधानीपूर्वक योजना बनाए तथा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में किसानों तक तत्काल सहायता पहुंचाने के लिए आवश्यक उपायों को तुरंत लागू करे। उन्होंने कहा, "हमारी सरकार हमारे किसानों के पीछे पूरी दृढ़ता से खड़ी है।" पवार ने कहा कि उन्होंने संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

जिन्ना के नाती पर हो गया केस, 30 साल पुराना मामला बना नुस्ली वाडिया के गले की फांस, मुंबई पुलिस ने लिया एक्शन

मुंबई। मशहूर उद्योगपति नुस्ली नेविल वाडिया बड़ी मुसीबत में घिरते दिख रहे हैं. मुंबई पुलिस ने वाडिया, उनकी 78 वर्षीय पत्नी मॉरीन, बेटे नेस और जहांगीर वाडिया के अलावा अन्य तीन लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है. यह मामला करीब तीन दशक पुराने विकास अनुबंध से जुड़ा है. शिकायतकर्ता महेंद्र चांदे का आरोप है कि वाडिया परिवार ने कानूनी लड़ाई के दौरान अदालत में फर्जी दस्तावेज पेश किए. 70 वर्षीय चांदे फरोनी होटल्स प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ हैं।

क्या है पूरा मामला?

यह मामला मुंबई के मलाड इलाके की एक जमीन पर विकास कार्य से संबंधित है. समझौते के मुताबिक, फरोनी होटल्स को इस जमीन का विकास करना था और बिक्री से होने वाली सकल आमदनी का 12 हिस्सा वाडिया समूह को देना था. साल 2008 में इस अनुबंध को लेकर विवाद खड़ा हुआ और मामला अदालत पहुंचा. शिकायत के अनुसार, 2010 में बॉम्बे हाईकोर्ट में सुनवाई के दौरान वाडिया परिवार ने कुछ ऐसे दस्तावेज पेश किए, जिन्हें बाद में फर्जी करार दिया गया।

पालघर में महिला से 17 लाख की धोखाधड़ी; सोलापुर के बाढ़ग्रस्त गांव से 30 लोग बचाए, 10 को किया एयरलिफ्ट

मुम्बई। महाराष्ट्र के पालघर जिले में दो लोगों ने एक महिला को 17 लाख रुपये के कीमती सामान से ठग लिया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। महिला का पति नवी मुंबई की तलोजा जेल में बंद है। आरोपियों ने खुद को उसके परिचित बताते हुए महिला को डराया कि उसके घर पर पुलिस छापा पड़ सकता है। उन्होंने महिला से कहा कि वे उसका सामान सुरक्षित रखेंगे। इस बहाने दोनों सोने के गहने, दो मोबाइल फोन, कार और एटीएम कार्ड लेकर फरार हो गए। महिला की शिकायत पर विरार पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर दोनों की तलाश शुरू कर दी गई है।

सोलापुर के बाढ़ग्रस्त गांव से 30 लोग बचाए गए

सोलापुर जिले की माधा तहसील के एक गांव में बाढ़ के पानी में फंसे 10 लोगों को सेना के एक हेलीकॉप्टर ने मंगलवार को सुरक्षित निकाला गया। जबकि 20 अन्य निवासियों को अलग–अलग बचाया गया। अहिल्यानगर और धाराशिव जिलों में दो दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण सिना कोलेगांव, चांदनी और खासापुरी सिंचाई परियोजनाओं के साथ–साथ भोगावती नदी में भी पानी छोड़ा जा रहा है। सोलापुर जिला प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि बाढ़ से प्रभावित माधा तहसील के दरफल गांव में फंसे लगभग 10 लोगों को भारतीय सेना के एक हेलीकॉप्टर की मदद से हवाई मार्ग से निकाला गया। इसके अलावा गांव से 20 अन्य निवासियों को अलग से बचाया गया। कलेक्टर कुमार आशीर्वाद ने कहा कि पश्चिमी महाराष्ट्र जिले में बाढ़ जैसी स्थिति को देखते हुए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और सेना की इकाइयों को बचाव और राहत उपायों के लिए प्रभावित क्षेत्रों में तैनात किया गया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार के लिए सोलापुर जिले के लिए रेड अलर्ट' जारी किया है। उत्तर सोलापुर (ग्रामीण), माधा, करमाला, मोहोल, बारशी और मंदरूप (दक्षिण सोलापुर) तालुकाओं में बाढ़ की संभावना को देखते हुए किसी भी स्थिति से निपटने के लिए एनडीआरएफ और सेना की टीमों को तैनात किया गया है।

बढ़ती रफ्तार और घटता अनुशासन... दूसरों का जीवन भी खतरे में डाल रहे लोग

कुछ दिन पहले दिल्ली की सड़कों पर वित्त मंत्रालय, भारत सरकार में कार्यरत उप सचिव नवजोत सिंह की असामयिक और दुखद मृत्यु हो गयी। इस से कुछ सप्ताह पहले ही एक सौ चौदह वर्षीय मैराथन धावक फौजा सिंह की मृत्यु एक सड़क दुर्घटना में हो गयी। उनकी ख्याति विश्व के सबसे वरिष्ठ मैराथन धावक के रूप में प्रसिद्ध थी। जिस व्यक्ति को ईश्वर ने एक सौ चौदह वर्षों की उम्र और इतना स्वस्थ शरीर दिया, उसे हमारे समाज में व्याप्त यातायात अनुशासनहीनता ने काल के मुंह में धकेल दिया। शायद ही कोई ऐसा दिन होगा जब अख़बारों में किसी सड़क दुर्घटना की कोई खबर नहीं आती हो। आर्थिक महाशक्ति के रूप में तेज रफ़्तार से आगे बढ़ रहे भारत में गाड़ियों की संख्या और रफ़्तार भी तेजी से बढ़ रही है। एक्सप्रेस वे और हाई वे का जाल बिछता जा रहा है। तेज रफ़्तार से गाड़ियों को चलाने का फैशन भी बढ़ रहा है। सोशल मीडिया पर वीडियो डालने की लत ने कई लोगों में वाहनों से करतब दिखाने की आदत भी डाल दी है। जहाँ एक तरफ हाई वे और एक्सप्रेस वे पर रफ़्तार की समस्या है तो वहीं दूसरी तरफ शहरों में ट्रैफिक जाम के कारण धीमी रफ़्तार से भी लोगों में बेचैनी बढ़ रही है। ट्रैफिक जाम, व्यक्तिगत तनाव और शहरी जीवन की आपा–धापी आदि कई बार व्यक्तिगत उत्तेजना और गुस्से के रूप में सड़कों पर भी दिखाई दे जाती है। इस लिए कई बार वाहन चलाने में उसके चालक के अहंकार या प्रतिशोध का दर्शन भी हो जाता है। इसी मानसिक स्थिति में कभी–कभी कोई छोटी सी बात भी बिगड़ कर जानलेवा स्वरूप ले लेती है। सड़क यातायात के नियमों को गंभीरता से न लेना और अनुशासन की अवहेलना को अपने ड्राइविंग कौशल से जोड़ कर देखने वाले चालक न सिर्फ अपने जीवन बल्कि सड़क पर अनुशासन के साथ चल रहे दूसरे लोगों के जीवन को भी खतरे में डालते हैं। फिर चाहे वो नशे में वाहन चलने का हठ हो या वाहन चलते समय मोबाइल फोन के प्रयोग का अतिशय आत्मविश्वास हो। एक वर्ग ऐसा भी है जिसे लगता है कि यदि कोई पुलिस वाला देख न रहा हो तो ट्रैफिक लाइट का उल्लंघन या फिर उलटी दिशा से गाड़ी चलना दोनों ही स्वीकार्य हैं। ऐसे लोग प्रायः अपना और दूसरों का जीवन खतरे में डाल देते हैं। हमारे देश में अधिकतर लोग दुपहिया वाहन पर हेलमेट पहनने को या फिर कार में सीट बेल्ट लगाने को महज़ चालान बचाने के लिए जरूरी समझते हैं। इस लिए जहाँ प्रशासन सख्ती न बरते तो बहुत से लोग कभी भी स्वेच्छा से और अपनी जीवन रक्षा के लिए न तो हेलमेट पहनेंगे और न ही सीट बेल्ट लगाएंगे। यदि आंकड़ों की बात करें तो देश में प्रति वर्ष पुलिस द्वारा रिपोर्ट की गई घटनाओं के आधार पर लगभग डेढ़ लाख लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं। वर्ष 2022 में देश में 1.68 लाख लोग सड़क दुर्घनाओं में मारे गए। इसी वर्ष पूरे देश में 28,522 हत्या की घटनाएं दर्ज़ की गई। अब ज़रा सोचिये, जब कहीं भी एक व्यक्ति की हत्या हो जाती है तो समाज में कितना भय और चिंता का माहौल बनता है। लेकिन सड़क दुर्घटनाओं में जब लोगों की मृत्यु होती है तो क्या समाज उसे भी उतनी गंभीरता से लेता है? आखिर ऐसा क्यों है?

बतौर समाज हम सड़क दुर्घटनाओं को ले कर इतने उदासीन क्यों बने हुए हैं? क्या हमें ये भय नहीं होना चाहिए की यदि सड़क सुरक्षा के प्रति हर व्यक्ति सजग नहीं रहेगा तो किसी दिन सड़क हादसे का शिकार कोई हमारा अपना भी हो सकता है? जब स्वयं अनुशासित हो कर हम अपनी और दूसरों की रक्षा कर सकते हैं तो क्या फिर इसके लिए भी हमें प्रशासन से कड़ाई करने की प्रतीक्षा करनी चाहिए? क्या सड़क का अनुशासन समाज और हर व्यक्ति की जिम्मेदारी नहीं है?

विश्व के उन देशों में जहाँ सड़क यातायात में अनुशासन का स्तर बहुत ऊँचा है, वहां ये अनुशासन सरकार की कड़ाई से नहीं बल्कि समाज में व्याप्त अनुशासन से ही आता है। अपनी लेन में वाहन चलाना, निर्धारित गति का पालन करना, ओवर–टेक सही अवसर मिलने पर करना, पैदल यात्रियों को सड़क पार कराने के लिए वाहन रोक देना और लगातार हॉर्न न बजाना जैसी आदतें हर व्यक्ति की आदतों का अभिन्न हिस्सा है। इस लिए सड़क सुरक्षा सिर्फ एक प्रशासनिक विषय नहीं है अपितु एक सामाजिक विषय है। प्रशासन की भी जिम्मेदारी है कि अनुशासन तोड़ने वाले लोगों के साथ सख्ती से पेश आया जाये ताकि नियम तोड़ने वालों के मन में भय बना रहे। सड़कों पर कैमरे लगाए जाएँ और उन कैमरों की मदद से स्वचालित चालान निर्गत करने की व्यवस्था को सभी स्थानों पर लागू किया जाये। इस से सड़कों पर पुलिस की तैनाती के बिना भी नियम तोड़ने वाले लोगों को चालान जारी किया जा सकेगा। कुछ गंभीर प्रकार के उल्लंघनों में और अधिक कड़े कानूनी प्रावधानों के बारे में भी सोचा जा सकता है। जैसे नाबलिग बच्चों को वाहन चलाने देने वाले अभिभावकों को जेल और नाबालिग को आजीवन ड्राइविंग लाइसेंस पर प्रतिबन्ध के बारे में सोचा जा सकता है। एक दिशा वाले मार्गों पर उलटी दिशा से गाड़ी चलाने वाले लोगों के लिए तत्काल वाहन जब्ती जैसे कड़े प्रावधानों के बारे में सोचा जा सकता है। साथ ही दिल्ली पुलिस के ट्रैफिक प्रहरी जैसे मोबाइल ऐप को व्यापक प्रचार और अन्य राज्यों में प्रारम्भ कर के हर नागरिक को ट्रैफिक नियमों को तोड़ने वालों की फोटो और वीडियो डाल कर रिपोर्टिंग करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है और महीने के अंत में जो नागरिक सर्वश्रेष्ठ योगदान दे उसे प्रशासन द्वारा पुरस्कृत किया जा सकता है।

टाइप-5 डायबिटीज दुनिया के लिए नई संकट, जानिए अब तक कितने मामले और किन्हें ज्यादा खतरा

डायबिटीज वैश्विक स्वास्थ्य के लिए गंभीर चिंता का कारण है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के मुताबिक साल–दर–साल डायबिटीज के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं। मधुमेह से पीड़ित लोगों की संख्या 1990 में 200 मिलियन (20 करोड़) से बढ़कर साल 2022 में 830 मिलियन (83 करोड़) हो गई। भारत में जिस तरह के डायबिटीज के मामले पिछले दो दशकों में बढ़े हैं, इसे देखते हुए भारत को 'डायबिटीज कैपिटल' कहा जाने लगा है। चिंताजनक बात ये है कि डायबिटीज सिर्फ ब्लड शुगर हाई रहने की समस्या नहीं है, ये शरीर के कई अंगों जैसे किडनी–लिवर, हृदय और तंत्रिकाओं को भी क्षति पहुंचा सकती है। डायबिटीज कई प्रकार की होती है, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा टाइप–1 और टाइप–2 डायबिटीज की होती है। टाइप–1 डायबिटीज आमतौर पर बच्चों और युवाओं में पाई जाती है, वहीं टाइप–2 डायबिटीज वयस्कों में सबसे आम है, जो लाइफस्टाइल, मोटापा और खान–पान से जुड़ी मानी जाती है। लेकिन हाल के वर्षों में वैज्ञानिकों ने डायबिटीज के और भी प्रकारों की खोज की है। इनमें से एक है टाइप–5 डायबिटीज, जिसे लेकर विशेषज्ञ सावधान कर रहे हैं।

नए प्रकार का डायबिटीज–टाइप–5

दुनियाभर के तमाम विशेषज्ञों ने स्वास्थ्य संस्थाओं से डायबिटीज के एक सबसे कम चर्चित और उपेक्षित प्रकार– टाइप–5 डायबिटीज को औपचारिक रूप से मान्यता देने का आग्रह किया है, जो युवा और दुबले–पतले लोगों को अधिक प्रभावित करती है। माना जाता है कि दुनियाभर में 2.5 करोड़ लोग इससे प्रभावित हैं। एक तरफ जहां टाइप–2 डायबिटीज के लिए खान–पान में गड़बड़ी (हाई कैलोरी) को प्रमुख कारण माना जाता है, वहीं टाइप–5 डायबिटीज पर्याप्त भोजन न करने से शुरू होता है। यानी ये नई बीमारी मुख्य रूप से उन किशोरों और युवा वयस्कों में देखी जा रही है जिनका वजन कम होता है या जिन्होंने बचपन में गंभीर खाद्य असुरक्षा का अनुभव किया है क्योंकि कुपोषण उनकी इंसुलिन स्रावित करने की क्षमता को प्रभावित करता है।

किन लोगों में टाइप–5 डायबिटीज का खतरा अधिक

इस बीमारी पर शोध कर रहे विशेषज्ञों का कहना है कि यह मुख्य रूप से निम्न और मध्यम आय वाले देशों में कम वजन वाले किशोरों और युवाओं में देखी जा रही है। वैज्ञानिकों ने आशंका जताई है चूंकि अभी 'साक्ष्य–आधारित उपचार दिशानिर्देशों का अभाव' है इसलिए टाइप–5 डायबिटीज का गलत निदान हो सकता है। लैंसेट ग्लोबल हेल्थ में ब्रिटेन सहित 11 देशों के 50 शोधकर्ताओं की टीम ने कहा, 'हम इंटरनेशनल डायबिटीज कम्युनिटी से इस विशिष्ट प्रकार की बीमारी को पहचानने का मांग करते हैं। यह संभवतः दुनियाभर में लाखों लोगों के जीवन की गुणवत्ता और जीवन को प्रभावित करती है। टाइप–5 डायबिटीज के लक्षण–प्रकार और उपचार पर अधिक शोध को बढ़ावा देने की आवश्यकता है।

पहली बार 1955 में हुई पहचान

टाइप–5 भले ही आपको सुनने में नया लग रहा हो पर यह शब्द पहली बार 1955 में जमैका की मेडिकल रिपोर्ट्स में सामने आया था।

तीन दशक बाद, डब्ल्यूएचओ ने आधिकारिक तौर पर

'कुपोषण–संबंधी मधुमेह' को एक अलग श्रेणी में वर्गीकृत किया। टाइप–1 और टाइप–2 के अलावा डायबिटीज के दो अन्य दुर्लभ रूप टाइप–3 और टाइप–4 की पहचान की जा चुकी है, हालांकि इन दोनों की भी अभी कम चर्चा है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

डॉक्टरों का कहना है कि टाइप 5 अपने आप में एक अलग स्थिति है। इस प्रकार के लोग अन्य प्रकार के डायबिटीज वालों के विपरीत इंसुलिन का उत्पादन कर सकते हैं और इसके प्रति प्रतिरोधी भी नहीं होते, लेकिन उनका अग्न्याशय अविकसित होता है और पर्याप्त इंसुलिन नहीं बना पाता। रिपोर्ट्स से पता चलता है कि यह स्थिति मुख्य रूप से एशिया और अफ्रीका के युवाओं, विशेषतौर पर पुरुषों को अधिक प्रभावित करती है। गर्भ में कुपोषण या जिन लोगों के बचपन में लगातार कुपोषण की समस्या रही है उनमें इसका जोखिम अधिक देखा जाता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

स्वीडन के लुंड यूनिवर्सिटी में एंडोक्राइनोलॉजी विभाग के प्रोफेसर और इस अध्ययन के सह–लेखकों में से एक डॉ. एलन वाग कहते हैं, हमें नहीं पता कि दुनियाभर में इस डायबिटीज के कितने मरीज हैं, क्योंकि इसके निदान को लेकर अब तक कोई गाइडलाइन नहीं है। विशेषज्ञों का सुझाव है कि टाइप 5 मधुमेह को नियंत्रित करने के लिए, रोगियों को अपने आहार में प्रोटीन और जटिल कार्बोहाइड्रेट जैसे दालें, फलियां और अनाज, अधिक मात्रा में शामिल करने चाहिए।

महाराष्ट्र कूर्मि क्षत्रिय महासभा के जिलाध्यक्षों की घोषणा

मुंबई–अ.भा.कूर्मि क्षत्रिय महासभा, महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष संजय पाटील ने निम्नलिखित

समाजसेवियों को जिलाध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया है। ,ठाणे – किरण पाटील,रायगड – प्रकाश चांदीवडे, मुंबई उपनगर – राजू धाडवे, मुंबई शहर – व्रज पटेल, रत्नागिरी– संजय धनावडे, सिंधुदुर्ग– डॉ प्रविण गोरुले, नाशिक–निवृत्ती न्याहारकर, पुणे– विठ्ठलराव पाचबोले,सातारा– उदयकुमार पाटील, कोल्हापूर– नारायणपोवार, सांगली– प्रा, रणजितसिंग चव्हाण, अमरावती –डॉ प्रशांत चर्‌हाटे. चंद्रपूर– रमेश राजुरकर,गोंदिया – अभयकुमार ढेंगे . वाशिम –प्रा रमेश फुके. छ संभाजी नगर – सरदार विजय काकडे, धुळे – विजय पवार. जळगाव– प्रा, दिपक पाटील. अहिल्यानगर– दिपक आगळे पाटील. नागपूर–इंजि.जैनेंद्रसिन्हा, बुलढाणा– पांडुरंग जानोकार, ठाणे शहर–प्रा किरण घरत। जिला उपाध्यक्ष – पालघर सीताराम पाटील. ठाणे– मोहन पाटील. ठाणे– महासचिव शेखर भोईर।

इनके अलावा संरक्षक के रूप में प्रा संजय जाधव, प्रा नामदेवराव जाधव, एड. गोपाल शेळके, प्रदेश उपाध्यक्ष के रूप में समाजसेवी अजित राऊत, श्रीमती जयश्रीताई श्रेणिक पाटील, डॉ.राम मूर्ति वर्मा, डॉ. सचिन सिंह पटेल, वी.के वर्मा , अजय पटेल, प्रदेश संघटक नामदेव वैद्य,उद्योग महासभा ठाणे पालघर उपाध्यक्ष विजय राव, किसान महासभा पालघर जिल्हा अध्यक्ष भाई कराळे की नियुक्ति की गयी है। नव नियुक्त पदाधिकारियों को महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष वी एस निरंजन, पूर्व अध्यक्ष एल. पी. पटेल, महिला अध्यक्ष लता चंद्राकर, युवा अध्यक्ष धीरज पाटीदार, वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. बाबूलाल सिंह पटेल ने बधाई एवं शुभकामनायें प्रदान किया है।

प्रायः मैं दिन में सिर्फ़ दो बार चाय पीता हूँ ! लेकिन न जाने क्यों, आज शाम की चाय के बाद सोचने लगा और फिर ख़्याल आया, कि :–

1. कांग्रेस सरकार जाने के बाद मुंबई में फिर कोई हाज़ी मस्तान, करीम लाला, दाऊद इब्राहिम पैदा क्यों नहीं हुआ?

2. बसपा सरकार जाने के बाद मायावती के जन्मदिन पर उसे हीरे, ताज, नोटों से क्यों नहीं तौला गया?

3. यू पी में योगी जी के सी एम बनने के बाद अब अतीक अहमद, आजम खान, मुख्तार अंसारी जैसा बाहुबली क्यों नहीं पैदा हुआ है?

4. मोदी के आने के बाद , पी.चिदंबरम अपने बंगले के गमलों में 6 करोड़ की गोभी क्यों नहीं उगा पा रहा है?

5. आजकल सुप्रिया सुले अपनी दस एकड़ ज़मीन में 670 करोड़ की फसल क्यों नहीं उगा पाती हैं?

6. हरियाणा में कांग्रेस की सरकार चले जाने के बाद रोबर्ट वाड्रा ने वहाँ कोई ज़मीन क्यों नहीं खरीदी?

7. यू पी से सरकार चले जाने के बाद अखिलेश यादव ने सैफई महोत्सव क्यों नहीं मनाया?

8. यस बैंक के मालिक राणा कपूर को ढाई करोड़ की पेंटिंग बेचने के बाद, प्रियंका गांधी ने फिर कोई पेंटिंग क्यों नहीं बेची?

9. ए.के.एंटनी ने अपनी पत्नी के हाथ की पेंटिंग सरकार को 28 करोड़ में बेचने के बाद अपनी पत्नी से फिर कोई पेंटिंग क्यों नहीं बनवाई?

10. यू पी ए के दस वर्षीय (2004–14) शासन काल में सोनिया अपनी अज्ञात–बीमारी के इलाज़ के लिए प्रत्येक छःमाह के अन्तराल पर अज्ञात–देश को नियमित रुप से जाती थी ! वह रहती दिल्ली में है, मगर उसकी उड़ान हमेशा केरल के एयरपोर्ट से होती थी और उसके लगेज में 4–5 बड़े–बड़े ट्रंक हमेशा हुआ करते थे!

किसी प्रकार की सिक्योरिटी–चेक का सवाल ही नहीं था, क्योंकि वह उस समय भारत की "सुपर पी एम" थी ! 2014 में सत्ता परिवत्तघ्न के बाद आश्चर्यजनक रुप से सोनिया की अज्ञात–बीमारी उड़न छू कैसे हो गई?

कल फिर कडक चाय पिऊंगा और फ़िर सोंचूँगा !आप भी एक बार इस बारे में ज़रूर सोचना... प्रश्न वाक़ई गंभीर है?

नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज में "10वां आयुर्वेद दिवस" उत्साह के साथ मनाया गया

हर साल की तरह इस साल भी श्री नरसिंह के. दुबे चॅरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज में "10वां आयुर्वेद दिवस" बड़े उत्साह के साथ मनाया गया।

"आयुर्वेद जन जन के लिये और पृथ्वी के कल्याण के लिए" इस थीम के अनुरूप,महाविद्यालय के साथ–साथ नालासोपारा, वसई और विरार में भी कई कार्यक्रम आयोजित किए गए।

विरार आगाशी में महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. राहुल सोनकांबळे इन्होने पौष्टिक आहार और अन्नप्राशन संस्कार इस विषय पर व्याख्यान दिया और वहाँ के लोगों को पौष्टिक आहार के प्रति जागरूक किया। कॉलेज में "आरोग्य आहार पर्व" कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें सभी छात्रों ने पौष्टिक और स्वास्थ्यवर्धक खाद्य पदार्थ बनाए और उनका महत्व समझाया। नालासोपारा क्षेत्र के लोगों में आयुर्वेद के प्रति जागरूकता निर्माण करने के लिए "आयुर्वेद रैली" का आयोजन किया गया।

औषधी वनस्पती और आयुर्वेदिक औषधियाँ, स्वास्थ्य के लिए आहार और योग, पंचकर्म उपचार और उनके लाभ, नेत्र रोग और शल्य चिकित्सा, रोग–विशिष्ट उपचार और प्रबंधन को प्रदर्शित करते हुए एक "मिनी एक्स्पो " का आयोजन किया गया। इसके साथ ही, छात्रों ने "आयुर्वेदिक चिकित्सा, झूठे विज्ञापन और आयुर्वेदिक आहार और वजन घटाने" पर एक नाटिका प्रस्तुत की। नालासोपारा के स्कूल के छात्रों के साथ–साथ नालासोपारा वसई क्षेत्र के लोगों ने भी इसका लाभ उठाया।

महाविद्यालय के सभी अध्यापक, कर्मचारी और छात्रों के साथ–साथ नोडल अधिकारी डॉ. सरिता पासी इनकी कडी मेहनत से सभी कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के डायरेक्टर डॉ. ओमप्रकाश दुबे, संस्था के ट्रस्टी और प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग प्रमुख डॉ. ऋजुता दुबे तथा महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. हेमलता शेंडे इनके मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

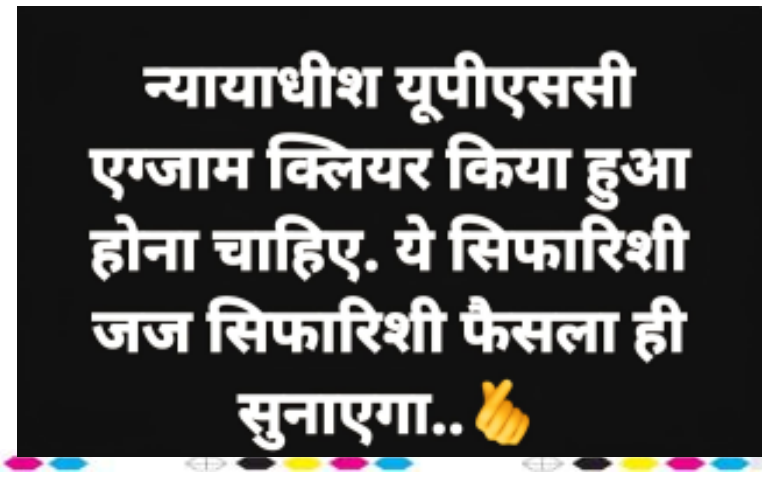

सम्पादकीय...

उपभोक्ता और उद्योग, जीएसटी में सुधार का जल्द दिखेगा असर

जीएसटी में सुधार के तहत जो रियायत दी गई, उस पर अमल शुरू हो गया और प्रधानमंत्री ने इस अवसर को बचत उत्सव की संज्ञा दी। उन्होंने लोगों से यह अपील भी की कि वे स्वदेशी वस्तुएं ही खरीदें। ऐसा होना भी चाहिए, लेकिन क्या हमारे उद्योग उपभोक्ताओं की जरूरत की सभी वस्तुओं का निर्माण कर पा रहे हैं और क्या उनकी गुणवत्ता विश्वस्तरीय है? इन प्रश्नों के समक्ष है हमारा उद्योग जगत। उसके कारण ही चीनी वस्तुओं पर निर्भरता खत्म होने का नाम नहीं ले रही है और चीन के साथ व्यापार घाटा कम नहीं हो पा रहा है। ऐसा नहीं है कि स्वदेशी की राह पर चलने और देश को आत्मनिर्भर बनाने की बातें अभी की जा रही हैं। इन बातों पर कोविड महामारी के दौरान ही बल दिया जाने लगा था, लेकिन नतीजे अपेक्षा के अनुरूप नहीं निकले। इसका मुख्य कारण है भारतीय उद्योग जगत की शोध एवं विकास के प्रति अनिच्छा। शोध एवं विकास के अभाव में ही वह वैसे नवाचार नहीं कर पा रहा है, जैसे अमेरिकी और यूरोपीय कंपनियां करती हैं और जिनमें हमारे युवाओं को नौकरियां पाने में आसानी होती है। शोध एवं विकास का अभाव तब है, जब बड़े उद्योगों के पास धन की कहीं कोई कमी नहीं। यह चिंता की बात है कि भारतीय उत्पाद विश्व बाजार में अपना स्थान नहीं बना पा रहे हैं। यदि भारतीय उद्योग जगत विश्व बाजार में अपना स्थान नहीं बना पाएगा तो फिर भारत आत्मनिर्भर कैसे बनेगा? आत्मनिर्भरता का यह अर्थ नहीं कि भारत में निर्मित वस्तुएं केवल भारत में ही बिकें। दुर्भाग्य से अभी तो अनेक ऐसी वस्तुएं जो देश में आसानी से निर्मित हो सकती हैं, उन्हें आयात करना पड़ रहा है। इसका एक कारण आयातित वस्तुओं का सस्ता होना भी है और भारत में निर्मित वस्तुओं की गुणवत्ता संतोषजनक न होना भी। यह तकनीक का युग है और भारतीय युवाओं की तकनीकी दक्षता किसी से छिपी नहीं, लेकिन उन्हें रोजगार के अच्छे अवसर विदेश में दिखते हैं। आखिर भारतीय कंपनियां उन्हें देश में ही रोजगार उपलब्ध कराने में सक्षम क्यों नहीं? यदि वे ऐसा कर पातीं तो शायद अमेरिका की ओर से एच–1बी वीजा फीस में अप्रत्याशित वृद्धि चिंता और अनिश्चतता नहीं पैदा करती। सरकार एक लंबे समय से भारतीय उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में खरा उतरने के लिए प्रेरित कर रही है, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला है। यह सही समय है कि सरकार उन कारणों का पता लगाए, जिनके चलते हमारे सक्षम उद्योग भी शोध एवं विकास की राह नहीं पकड़ रहे हैं। कहीं ऐसा तो नहीं कि सरकारी तंत्र में कुछ ऐसी खामियां हैं, जिनके चलते उद्योग जगत अपने हिस्से की जिम्मेदारी का निर्वाह करने में आनाकानी कर रहा है।

उड़ते ड्रोन होती चोरियां, सोती पुलिस साफ होती बखरियां

इस समय पूरे उत्तर प्रदेश में चोरियां बड़े पैमाने पर हो रही हैं।वो भी आधुनिक तरीके से।चोर पहले दो तीन दिन तक ड्रोन से सर्वे कर रहे हैं।जिस क्षेत्र में वे दो तीन दिन तक ड्रोन उड़ाते हैं। वहाँ चोरियां होना शुरू हो जाती हैं।घर तो घर भैंस की चोरी बहुत हो रही हैं। प्रशासन उन चोरों के आगे या तो पंगु हैं या मिलीभगत है। क्योंकि जिस आधुनिक तरीके से ललकार कर चोरियां हो रही हैं,वह मिलीभगत की ही तरफ इशारा कर रही है।जनता ने ड्रोन उड़ने की शिकायत जब पुलिस को दी तो पुलिस बहानेबाजी कर रही है बजाय संज्ञान लेने के।कभी कहती हैं सरकारी सर्वे हो रहा है।कभी कहती है अफवाह है।इनके टालमटोल के चक्कर में कई घरों से लाखों की चोरियां हो गई।इसके बाद भी पुलिस है कि जाग ही नहीं रही।वह पुलिस जो इस समय पूरे देश में योगी की पुलिस के रूप में जानी पहचानी जा रही है।जिस पुलिस की दहशत इस समय पूरे देश में है।किसी भी प्रांत का कितना भी बड़ा दुर्दांत अपराधी क्यों न हो।यूपी में आने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा।उसी यूपी में धड़ल्ले से चोरियां हो रही है।और पुलिस निष्क्रिय बनी हुई है। इसलिए यह कहने में संकोच नहीं हो रहा कि यह सब पुलिस की मिलीभगत से हो रही है।योगी जी कहते थे कि विगत सरोकारों में हर जिले का एक डान होता था।आज जनता कहने पर विवश है कि हर जिले में अब चोर पैदा हो रहे हैं।यदि ऐसा नहीं तो चोर लोग चोरी करके सुरक्षित नहीं रहते। जौनपुर जिले में ही अनेकों चोरियां रोज हो रही हैं।कैसे हो रही हैं।यदि पुलिस सजग रहती तो सम्भव होता क्या? पुलिस की उदासीनता साफ दिख रही है।

हंसी तो पुलिस की बात तब आती जब चोरों के ड्रोन को सरकारी बता कर पल्ला झाड़ लेती है।समझने वाली बात यह है कि सरकारी सर्वेक्षण दिन होता है कि रात में। हमारे यहाँ सरकारी कर्मचारी दिन में तो काम करते नहीं।रात में कौन सा काम करेंगे।चलो एक बारगी हम मान भी लेते हैं कि सरकारी सर्वेक्षण हो रहा है तो!यह कैसा सर्वेक्षण है जो रात के अंधेरे में हो रहा है।

वह कौन सी चीज,वस्तु या जगह है जो दिन में नहीं दिखती।रात में ही दिखती है।ऊपर से पुलिस जनता को धमका भी रही है कि अफवाह फैलाने वालों पर दंडात्मक कार्रवाई होगी।मतलब ये कि आप ड्रोन देखें और किसी से कहें भी नहीं। कहेंगे तो पुलिस अफवाह फैलाने के जुर्म में आपको ही जेल में बंद कर कुटाई सुताई और पिटाई करेगी। मतलब ये कि पुलिस में जाओगे तो कुटाई सुताई पिटाई और जेब सफाई होगी।मौन रहोगे तो घर सफाई होगी।अब आम जनता करे तो क्या करे।आज यूपी में ऐसी परिस्थिति निर्मित हो गई है,आगे कुआं पीछे खाईं।

ऐसी ऐसी घटनाएं देखने सुनने को मिल रही हैं।जिससे आम जनता न सो पा रही है न शांति से रह पा रही है।समझ में नहीं आ रहा कि योगी राज में ये क्या हो रहा है। जिस योगी राज में बड़े बड़े अपराधी धनुष बाण रख दिए।निपटा दिए गये।उसी योगी राज में ये क्या हो रहा है।आये दिन हर जिले से रोज दो चार चोरियों की खबरें आ रही हैं। राज्य में दहशत का राज्य व्याप्त है।निराकरण शून्य है।मजे की बात ये है कि ये चोरी की घटनाएं विगत तीन चार महीने से अनवरत चल रही हैं।कभी लखनऊ कभी बुलंदशहर,कभी एटा तो कभी मछली शहर।रोज हो रही चोरियों पर कोई लगाम नहीं लगाई जा रही उल्टे और गतिमान हो रही है।लोग रतजगा कर रहे हैं पहरे दे रहे हैं। फिर भी सफलता चोरों को ही मिल रही है।जनता परेशान है कि पता नहीं कब हमारा घर साफ हो जाय।अब चोर आधुनिक तरीके से ताला भी खोल रहे हैं।बिना खटपट के ही ताले भी आत्मसमर्पण कर दे रहे हैं।आपका ताला खुल जा रहा है। पड़ोसी को भी पता नहीं चल रहा।अब लोग सपरिवार कहीं जाने से भी भयाक्रांत हैं।देवी देवथाने भी जाने की हिम्मत नहीं कर पा रहे।जनता करे तो क्या करे।जिसकी जिम्मेदारी है वह सोया है।आमजन परेशान है। पुलिस अपनी रेपुटेशन न गिरे इसलिए रिपोर्ट नहीं लिखी रही है।और न ही चोरों को पकड़ने का प्रयास ही करती दिख रही है। इसलिए मन में यही बात घर कर रही है कि कहीं यह पुलिस की ही मिलीभगत तो नहीं। सरकार से निवेदन है कि इस पर संज्ञान लेकर जितनी जल्दी हो लगाम लगाये।और आमजन को भय से मुक्ति दिला लोगों को चैन की नींद लेने दे।

—पं.जमदग्निपुरी

एक दिन मुल्ला नसरुद्दीन जोश–जोश में अपने गधे को घर की छत पर ले गए... जब नीचे उतारने लगे तो गधा नीचे उतर ही नहीं रहा था।

बहुत कोशिश के बाद भी जब नाकाम हुए, तो खुद ही नीचे उतर गए और गधे के नीचे उतरने का इंतज़ार करने लगे।

कुछ देर गुज़र जाने के बाद मुल्ला नसरुद्दीन ने महसूस किया कि गधा छत को लातों से तोड़ने को कोशिश कर रहा है। मुल्ला नसरुद्दीन बहुत चिंतित हुए कि छत तो नाजुक है, इतनी मज़बूत नहीं कि गधे की लातों को सहन कर सके।

दोबारा ऊपर भागे और गधे को नीचे लाने का प्रयास किया, लेकिन गधा अपने हठ पर अड़ा हुआ था और छत को तोड़ने में लगा हुआ था।

मुल्ला उसे धक्के देकर नीचे लाने का प्रयास करने लगे तो गधे ने मुल्ला को लात मारी और वह नीचे गिर गए।

गधा फिर छत को तोड़ने लगा... अंततः छत टूट गयी और गधे समेत धरती पर आ गिरी।

मुल्ला देर तक इस विषय पर मनन करते रहे और फिर स्वयं से कहा कि कभी भी गधे को ऊँचे मकाम पर नहीं ले जाना चाहिये.

एक तो वह खुद को हानि पहुंचाता है, दूसरा स्वयं उस स्थान को भी बिगाड़ता है और तीसरा ऊपर ले जाने वाले को भी हानि पहुँचाता है।

मेरा विचार है कि हमें एक बार भी गधे को ऊँचे स्थान पर ले जाने की भूल नहीं करनी चाहिए..!

बड़ी कठिनाई से हमारी छत सुदृढ़ हो रही है।

आप तो समझ ही गये होंगे!

विशुद्ध संदेश

9 अक्टूबर को शुक्र का कन्या राशि में गोचर, इन 3 राशियों की बदलेगी किस्मत, मिलेगा अपार धन!

ज्योतिष शास्त्र में शुक्र एक महत्वपूर्ण ग्रह हैं, जो सुख, सौंदर्य, प्रेम और वैभव के कारक माने जाते हैं। शुक्र देव दैत्यों के गुरु और असुरों के शिक्षक हैं। जो व्यक्ति शुक्र ग्रह को प्रसन्न रखता है उस व्यक्ति को जीवन में सुख–सुविधाएं और ऐश्वर्य प्राप्त होता है। शुक्र देव का मंत्र "ध शुं शुक्राय नमः" है, जिसका जाप करने से उनकी कृपा प्राप्त होती है।

इस 9 अक्टूबर को शुक्र कन्या राशि में प्रवेश करने जा रहे हैं। शुक्र का कन्या राशि में प्रवेश करने से भाग्योदय होने वाला है। इन राशि के जातकों के जीवन में अपार खुशियां और सकारात्मक बदलाव आएंगे। आइए आपको बताते हैं कौन हैं ये लकी राशियां।

मेष राशि

शुक्र कन्या राशि में प्रवेश करने से मेष राशि के जातकों काफी लाभ होने वाला है। मेष राशि वालों के लिए यह समय ध्यान प्रोजेक्ट्स, डेडलाइन और टीमवर्क पर रहेगा, इससे कार्य में गुणवत्ता बढ़ेगी और वरिष्ठों और सहकर्मियों से मान–सम्मान मिलेगा। प्रेम और पारिवारिक रिश्तों में मधुरता आएगी। इसके साथ ही खान–पान, फिटनेस और दैनिक क्रिया में काफी सुधार आएगा, जिससे आप हेल्दी रहेंगे।

मिथुन राशि

मिथुन राशि वालों के लिए आने वाला समय आर्थिक और सामाजिक लाभों से भरा हुआ है। इस दौरान जीवन में काफी बड़े बदलाव आएंगे। पैसों के मामले में सतर्क और समझदारी से निवेश करना जरुरी है। संचार कौशल और नेटवर्किंग से नए अवसर प्राप्त होंगे। नए प्रोजेक्ट या साझेदारी से फायदा होगा। दोस्त या परिवार के जरिए आर्थिक सहयोग और नए मौके मिलेंगे। इस दौरान आपको सोच–सझकर फैसले करने चाहिए।

कन्या राशि

कन्या राशि के जातक के लिए शुक्र का प्रवेश बेहद लाभकारी सिद्ध होगा। इस समय आत्म–सुधार और आत्म–मूल्यांकन का विशेष अवसर है। व्यक्तित्व में निखार आएगा। सामाजिक प्रतिष्ठा और आकर्षण बढ़ेगा। धन–समृद्धि के नए स्रोत खुल सकते हैं– बोनस, प्रमोशन या निवेश का लाभ मिल सकता है। प्रेम, दोस्ती और पारिवारिक रिश्तों में संतुलन बढ़ेगा।

नवरात्रि पूजा के लिए सुहागिन महिलाएं ऐसे हों तैयार, जानें परफेक्ट मेकअप और स्टाइलिंग के आसान तरीके

हर कोई नवरात्रि में देवी मां की कृपा प्राप्त करना चाहता है। नवरात्र में सुहागिन महिलाओं को नए कपड़े पहनना, सजना–संवरना बेहद जरुरी माना जाता है। जो लोग नए वस्त्र और श्रृंगार करती हैं, उनसे मां दुर्गा काफी प्रसन्न रहती है। इसलिए आपको नवरात्रि के नौ दिनों तक सजना–संवरना चाहिए। इस लेख में हम आपको बताएंगे कि कैसे नवरात्रि पूजा के लिए तैयार हो। अगर आप मंदिर जा रहे हैं, तो कैसे रेडी हो। चलिए आपको कुछ फैशन और मेकअप टिप्स बताते हैं जिन्हें आप फॉलो कर सकते हैं। नवरात्र में पूजा–पाठ के लिए पारंपरिक कपड़े पहनना बेहद जरुरी है। सुहागिन महिलाएं साड़ी पहनकर सबसे सुंदर दिख सकती है। आप चाहे तो सूट भी पहन सकती है। रेड, नारंगी, ग्रीन, येलो जैसे शिड्स के साड़ी या फिर सूट पहन सकती है, क्योंकि इन शेड्स के कपड़े काफी सुंदर और वाइब्रेंट नजर आते हैं। अब दिन के हिसाब से भी कपड़ों के रंगों का चयन कर सकते हैं।

मिनिमल ज्वैलरी पहनें

हैवी ज्वैलरी आपके लुक को खराब कर सकते है। इसलिए आप मिनिमल ज्वैलरी पहन सकती हैं। इससे आपका लुक बेहद ही प्यारा आएगा और आप स्टाइलिश नजर आएंगी। नवरात्र में सुहागिन महिलाओं को ज्वैलरी वियर करनी चाहिए। उदाहरण के तौर पर मंगलसूत्र, अंगूठी, चूड़ियां, पायल, बिछिया, झुमके आदि। यह आपके लुक को बेहतरीन बना देंगे।

लाइट मेकअप करें

आपका आउटफिट का लुक मेकअप पर डिपेंड होता है। इसलिए ज्यादा मेकअप करने से बचें। ग्लोइंग और लाइट मेकअप ही करें। फाउंडेशन का यूज न करें, इसके जगह आप टिंटेड मॉइश्चराइजर या बीबी क्रीम लगा सकते हैं। इसके साथ ही लिपस्टिक, लाइट काजल, लाइट आईशैडो और हल्का ब्लश लगा सकते हैं। आप चाहे तो हाईलाइटर का यूज कर सकते हैं। बिंदी और सिंदूर आपका लुक पूरा कंप्लीट कर देगा।

बनाएं सुंदर–सा हेयरस्टाइल

पूजा के लिए परफेक्ट लुक क्रिएट करने के लिए हेयर स्टाइल का रॉल बेहद काम साबित हो सकता है। आप सिंपल ब्रेड या मेसी बन साड़ी–सूट पर शानदार लुक प्रदान करेगा। आप चाहे तो गजरा लगा सकते हैं। ताजे फूलों को भी बन में लगा सकते हैं, जिससे आपको लुक खिलकर आएगा। आप चाहे तो गजरा लगाकर चोटी भी बना सकती हैं। अगर आपके हेयर एक्सेसरीज हैं, तो इसका इस्तेमाल कर सकती हैं।

हिंदी साहित्य के दमकते कवि थे रामधारी सिंह दिनकर, ऐसे बने थे 'राष्ट्रकवि'

आज ही के दिन यानी की 23 सितंबर को रामधारी सिंह दिनकर का जन्म हुआ था। उन्होंने हिंदी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई थी। रामधारी सिंह दिनकर एक ऐसे लेखक थे, जिनमें सामाजिक चेतना, राष्ट्रीय चेतना के साथ सांस्कृतिक चेतना भी गहरे रूप में मौजूद थी। वह उद्घोष और उद्बोधन के कवि थे। एक ओजस्वी राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत कवि के रूप में जाने जाते थे। तो आइए जानते हैं उनकी बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर कवि रामधारी सिंह दिनकर के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

बिहार के बेगूसराय जिले के सिमरिया गांव में 23 सितंबर 1908 को रामधारी सिंह दिनकर का जन्म हुआ था। इनका बचपन काफी संघर्षों भरा रहा था। वह स्कूल जाने के लिए पैदल चलकर गंगा घाट तक का सफर तय करते थे। इसके बाद वह गंगा के पार उतरकर पैदल चलते थे। इनके पिता का नाम रवि सिंह तथा माता का नाम मनरूप देवी था।

बने थे राज्यसभा के सदस्य

साल 1947 में देश आजाद हुआ और दिनकर बिहार विश्वविद्यालय में हिन्दी के 'प्राध्यापक व विभागाध्यक्ष' नियुक्त हुए। फिर साल 1952 में भारत की प्रथम संसद का निर्माण हुआ, तो दिनकर को राज्यसभा का सदस्य चुना गया और वह दिल्ली आ गए। इसके बाद वह 12 सालों तक संसद के सदस्य रहे। फिर साल 1964 से 1965 तक वह भागलपुर विश्वविद्यालय के कुलपति नियुक्त हुए। इसके अगले साल यानी की 1965 से लेकर 1972 तक भारत सरकार ने दिनकर को अपना 'हिंदी सलाहकार' नियुक्त किया। इस दौरान रामधारी सिंह दिनकर ने ज्वार उमरा और रेणुका, हुंकार, रसवंती और द्वंदगीत की रचना की। रेणुका और हुंकार की कुछ रचनाओं के प्रकाश में आते ही अंग्रेज प्रशासकों को यह समझते देर न लगी कि वह गलत व्यक्ति को अपने तंत्र का अंग बना बैठे हैं। ऐसे में दिनकर की फाइलें तैयार होने लगीं और बात–बात पर चेतावनियां मिलने लगीं। मालूम हो, 4 साल में दिनकर का 22 बार तबादला किया गया।

हिंदी साहित्य में स्थान

बता दें कि रामधारी सिंह दिनकर उत्कृष्ट कोटि के कवि ही नहीं बल्कि उच्चकोटि के गद्दकार थे। दिनकर जी ने अपने काव्य में देश के प्रति असीम राष्ट्रीय भावना का परिचय दिया है। राष्ट्रीय भावनाओं पर आधारित दिनकर जी का साहित्य भारतीय साहित्य की अनमोल धरोहर हैं। रामधारी सिंह दिनकर ही गिनती विश्व के महान साहित्यकारों में की जाती है।

द्विवेदीयुग और छायावादी युग

शुरूआत में दिनकर ने छायावादी रंग में कुछ कविताएं लिखीं। लेकिन जैसे–जैसे वह स्वयं से परिचित होते गए। उनमें अपनी ही काव्यानुभूति पर ही कविता को आधारित करने का आत्मविश्वास बढ़ने लगा और वह उनकी कविता छायावाद के प्रभाव से मुक्ति पाती चली गई। वह स्वयं को द्विवेदी युगीन और छायावादी काव्य पद्धतियों का वारिस मानते थे। इसके साथ के रामधारी सिंह दिनकर ने मुक्तक काव्य संग्रहों के अतिरिक्त अनेक प्रबन्ध काव्यों की रचना भी की है। जिनमें साल 1946 में 'कुरुक्षेत्र', साल 1952 में 'रश्मिरथी' और साल 1961 में 'उर्वशी' प्रमुख हैं।

पुरस्कार

रामधारी सिंह दिनकर को सरकार के विरोधी रूप के लिये भी जाना जाता था। भारत सरकार ने उनको पद्म भूषण से सम्मानित किया था। वहीं दिनकर की गद्य की प्रसिद्ध पुस्तक 'संस्कृति के चार अध्याय' के लिए उनको साहित्य अकादमी और उर्वशी के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार से नवाजा गया था। वहीं कुरुक्षेत्र के लिए दिनकर को इलाहाबाद की साहित्यकार संसद द्वारा पुरस्कृत से सम्मानित किया गया था।

मृत्यु

वहीं 24 अप्रैल 1974 को रामधारी सिंह दिनकर ने इस दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया।

उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा मेला देखने का सुनहरा अवसर

उत्तर प्रदेश के नागरिकों के लिए सुनहरा अवसर आ गया है। उत्तर प्रदेश के सभी नागरिकों को उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा मेला देखने का सौभाग्य प्राप्त होगा । उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा मेला बृहस्पतिवार 25 सितंबर 2025 से शुरू हो रहा है। उत्तर प्रदेश के इस सबसे बड़े मेले का नाम उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो–2025 (**UPITS**–2025) है। **UPITS**–2025 उत्तर प्रदेश सरकार की सबसे बड़ी पहल है। **UPITS**–2025 का सबसे बड़ा महत्व इसी से साबित हो जाता है कि उत्तर प्रदेश के इस सबसे बड़े मेले का उद्घाटन भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे।

पहले 1 फिर 6 अन्य लड़कों ने नाबालिग से किया रेप, पैरेंट्स को दिखा वीडियो फिर मचा हड़कंप

मुम्बई। मुंबई से सटे कल्याण में एक 17 साल की नाबालिग लड़की के साथ गैंगरेप का दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है. पुलिस ने इस मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है. यह घटना क्रूरता का चरम उदाहरण है. इससे मुंबई जैसे शहर में महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल उठता है. पुलिस के अनुसार इस मामले की शुरुआत तब हुई जब एक आरोपी ने पीड़ित नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार किया और इस कृत्य का वीडियो बना लिया. इस वीडियो का इस्तेमाल कर उसने पीड़ित को ब्लैकमेल करना शुरू किया. इसके बाद उसने अपने छह अन्य दोस्तों को इस जघन्य अपराध में शामिल किया. इन सात आरोपियों ने मिलकर पांच महीनों तक पीड़ित लड़की का बार–बार यौन शोषण किया. इस दौरान वे लगातार वीडियो बनाते रहे और उसे ब्लैकमेल कर चुप रहने के लिए मजबूर करते रहे. इस अमानवीय कृत्य का परिणाम यह हुआ कि पीड़ित लड़की गर्भवती हो गई और बाद में उसका गर्भपात भी हो गया. मामला तब उजागर हुआ जब पीड़ित के परिवार के पास एक वीडियो पहुंचा, जिसके बाद इस भयावह अपराध का खुलासा हुआ।

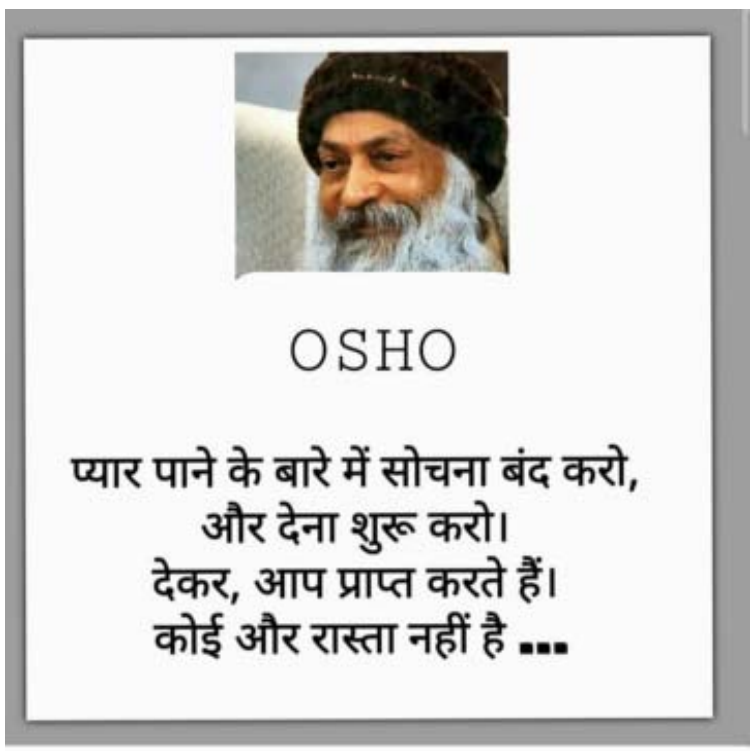

नाम – जागेश्वर सिंह
कार्य – टांसपोर्ट कॉर्पोरेशन में ईमानदारी की नौकरी
नतीजा – 100 रुपए की झूठे रिश्वत का केस, 39 साल जेल
कोर्ट – यह निर्दोष हैं, और बाइजत कर दिया

सन् 1886 में झूठे केस में जेल में गए थे नौकरी गया, इज्जत गया, बेटा 500 रुपए की कमी के कारण पढ़ाई नहीं कर पाया तो बच्चों का भविष्य खराब हुआ, 39 साल तक केस लड़ने में पैसे और मेहनत जो खर्च हुए वो अलग।

मामला छत्तीसगढ़ के राजधानी रायपुर से है।

अमरीका से आकर amezon वाला कमा के ले जाये, चीन से आकर oppo, vivo और paytm वाला कमाकर ले जाये, england से आकर वोडाफोन वाला कमाकर ले जाये पर यहाँ रहकर अपना पैसा लगाकर ,अपने लोगों को रोजगार देने वाला अंबानी, अडानी, टाटा या बाबा रामदेव ना कमा लें... वाह चमचो.....

मां दुर्गा की तीसरी शक्ति की पावन कथा

अलौकिक वस्तुओं के दर्शन कराती हैं, मां–चंद्रघंटा

पिण्डज प्रवरारूढ़ा– चण्डको पास्त्र केर्युता।

प्रसादं– तनुते– मह्यं– चंद्रघण्टेति– विश्रुता

मां दुर्गा की तीसरी शक्ति हैं चंद्रघंटा। नवरात्रि में तीसरे दिन इसी देवी की पूजा–आराधना की जाती है। देवी का यह स्वरूप परम शांतिदायक और कल्याणकारी है। इसीलिए कहा जाता है कि हमें निरंतर उनके पवित्र विग्रह को ध्यान में रखकर साधना करना चाहिए।

उनका ध्यान हमारे इहलोक और परलोक दोनों के लिए कल्याणकारी और सद्गति देने वाला है। इस देवी के मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्र है। इसीलिए इस देवी को चंद्रघंटा कहा गया है।

इनके शरीर का रंग सोने के समान बहुत चमकीला है। इस देवी के दस हाथ हैं। वे खड्ग और अन्य अस्त्र–शस्त्र से विभूषित हैं। सिंह पर सवार इस देवी की मुद्रा युद्ध के लिए उद्धत रहने की है। इसके घंटे सी भयानक ध्वनि से अत्याचारी दानव–दैत्य और राक्षस कांपते रहते हैं।

नवरात्रि में तीसरे दिन इसी देवी की पूजा का महत्व है। इस देवी की कृपा से साधक को अलौकिक वस्तुओं के दर्शन होते हैं। दिव्य सुगंधियों का अनुभव होता है और कई तरह की ध्वनियां सुनाईं देने लगती हैं। इन क्षणों में साधक को बहुत सावधान रहना चाहिए। इस देवी की आराधना से साधक में वीरता और निर्भयता के साथ ही सौम्यता और विनम्रता का विकास होता है।

इसलिए हमें चाहिए कि मन, वचन और कर्म के साथ ही काया को विहित विधि–विधान के अनुसार परिशुद्ध–पवित्र करके चंद्रघंटा के शरणागत होकर उनकी उपासना–आराधना करना चाहिए। इससे सारे कष्टों से मुक्त होकर सहज ही परम पद के अधिकारी बन सकते हैं। यह देवी कल्याणकारी है।

रेल संचालन में संरक्षा की भूमिका पर डाला प्रकाश

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डल के लखनऊ जंक्शन रेलवे स्टेशन पर सोमवार को राजभाषा पखवाड़ा के तहत रेल संचालन में संरक्षा की भूमिका विषयक वाक प्रतियोगिता आयोजित की गई। जनसंपर्क अधिकारी महेश गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे स्टेशन निदेशक प्रजीत कुमार सिंह ने सेफ्टी के प्रति जागरुकता व हिंदी के उपयोग को बढ़ावा देने पर विशेष ज़ोर दिया। हिन्दी वाक प्रतियोगिता में विभिन्न रेलकर्मियों ने व्याख्यान दिए। उन्होंने रेल संचालन में सुरक्षा उपायों, तकनीकी प्रगति जैसे बिन्दुओं पर प्रकाश डाला।

ज्योत जलानें आये

विधा : गीत / भजन

आया हूँ हे माँ तेरी
मैं ज्योत जलाने को।
दे देना मुझको आशीर्वाद..
अपने दोनों हाथो से।
आया हूँ हे माँ तेरी
मैं ज्योत जलाने को।
दे देना मुझको आशीर्वाद..
अपने दोनों हाथो से।।

दिल दिमाग में तुम बसे हो
उद्धार मेरा कर दो।
सपने में तुम दिखते हो
दर्शन दे दो मुझको।
आया हूँ हे माँ तेरी
मैं ज्योत जलाने को।।

हर रंग में तुम दिखती हो
हर दिलमें तुम बस्ती हो।
भक्तों की भी तुम बाते
बहुत ही समझती हो।
आई है देखो नवरात्रि
इस बार खास कुछ लेकर।
इसलिए हे माँ तेरे
मैं द्वारे पर खड़ा हूँ।
अब मुझको दर्शन देना
या खाली हाथ लौटाना।।
आया हूँ हे माँ तेरी
मैं ज्योत जलाने को।।

झोली पड़ी है खाली
हे माँ तेरे बच्चे की।
घर में भी है सुना सुना
तेरे बिना जग अधूरा।
भरो दो नवरात्रि में
हे माँ अब मेरी झोली।
गुण गान हम करें
सात जन्मों तक हम तेरा।।
आया हूँ हे माँ तेरी
मैं ज्योत जलाने को।
दे देना मुझको आशीर्वाद..
अपने दोनों हाथो से।।

सभी पाठकों को नवरात्रि की बहुत बहुत बधाई और शुभ कामनाएं। माता रानी आप की सभी मनोकमनाएँ पूरी करें।

जय जिनेंद्र

संजय जैन "बीना" मुंबई

महाराजा अग्रसेन पूरे राष्ट्र के लिए प्रेरणास्रोत

अयोध्या। अग्रवाल भवन ट्रस्ट की ओर से एक होटल के सभागार में महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्त ने महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन केवल अग्रवाल समाज ही नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए प्रेरणास्रोत हैं। विधायक ने कहा कि महाराजा अग्रसेन ने समानता, सेवा और सहयोग की जिस परंपरा की नींव रखी थी, वही आज समाज को जोड़ने और मजबूत बनाने का काम कर रही है। ट्रस्ट के अध्यक्ष आशीष अग्रवाल ने कहा कि महाराजा अग्रसेन के दिखाए रास्ते पर समाज को आगे बढ़ना चाहिए। ट्रस्ट के महामंत्री अरुण अग्रवाल ने कहा कि महाराजा अग्रसेन ने समाज से प्रत्येक परिवार को जोड़ने के लिए एक ईंट और एक रुपया का सिद्धांत बनाया था। इसके तहत राज्य में आने वाले किसी भी नए परिवार को स्थापित परिवार एक ईंट और एक रुपया प्रदान करते थे। इस दौरान कोषाध्यक्ष अमित गोदिया और उप कोषाध्यक्ष संजीव गोयल सहित अन्य अतिथि मौजूद रहे।

झूठ के दाग

अपना दामन देख न पाते,
औरों के दिखलाते दाग।
कौन जगाए उन लोगों को ,
गहन नीद में रहे हैं भाग ।

सारा दलबल एक साथ ही,
जब दौड़े दल दल की ओर ।
देते शिखर दिखाई उन को ,
मगर रसताल का ना छोर ।

मदहोशी में अच्छा लगता ,
अपनी डपली अपना राग ।

बुद्धि भ्रमित जिसकी हो जाए ,
उस को सत्य दिखे तो क्या ।
एकलव्य भी भ्रमित हुआ तो ,
उस को लक्ष मिलेगा क्या ।

अपने तीर करें खुद घायल ,
अपने हाथ लगाते आग ।

सही दिशा कैसे मिल पाए ,
हो जब सर कर्मों का बोझ ।
हो मंथन गलती का कैसे ,
अंदर बहुत भरा हो क्रोध ।

शक्ति क्षीण हो जाती उस की,
दुविधा कर देती दो भाग ।

जाल बिछाने वाले एक दिन ,
हो जाते हैं स्वयं शिकार ।
बुरे दिनों की भनक न मिलती
देखो खूटी निगले हार ।

तंद्रा जागी निदिया भागी ,
सारी रात रहे हैं जाग ।

रचना

जे.पी.रावत (नादान)

भोजपुरी पचारा गीत
मईया के पूजनवा

घर घर बाजेला जोर हो बजनावा।
मईया अईहे अब भोर हो भवनवा।

नवरातर के नौ दिनवा में।
भउवा जगाईब मनवा में।
सगरो भइले शोर हो ज़मनवा ।
मइया अईहे अब.....,..।

नौ दिन नौ देवी दर्शन दिहे।
देई दर्शनवा दुख भंजन होई जइहे।
नवरातन होइहे खूब जोर हो पूजनवा।
मईया अईहे अब.....।

सिंहवा सवार करिहें दुखवा संहार।
देवी किरपा होई देशवा सुधार।
त्रिशूलवा से करा ओर हो दुश्मनवा।
मईया अईहे अब.....।

लाली चुनरिया लाल बा ओहरवा।
सुघर सबसे दमके माई के सिंगरवा।
कारी कजरारी शोभे तोर हो नयनवा।
मईया अईहे अब.....।

हम हइ नादान बाली बा उमिरिया।
फेरी देतु माई हमरो पर नजरिया।
पूजी भारती भइले विभोर हो मगनवा।
मईया अईहे अब भोर हो भावनवा ।

गीतकार

श्याम कुंवर भारती (राजभर)

बोकारो, झारखंड

भारत में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 75वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 17 सितंबर 2025 से 2 अक्टूबर 2025 तक सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है

इस पखवाड़े के दौरान विभिन्न समाजोपयोगी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिसके तहत आज शनिवार 20 सितंबर 2025 को सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज में निःशुल्क आरोग्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में नालासोपारा वसई क्षेत्र के कई लोगों ने उपचार का लाभ उठाया। शिविर का उद्घाटन वसई विरार जिला अध्यक्ष प्रज्ञा पाटिल, महासचिव मनोज बारोट, अचोले मंडल अध्यक्ष सुनील तिवारी, महासचिव आनंद मिश्रा, सचिव मनीष ओझा, कोषाध्यक्ष अनिल शुक्ला उपस्थिति में किया गया। इसमें एक खास बात यह रही कि आज प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण का जन्मदिन था, सभी ने उनकी दीर्घायु की कामना की। श्री नरसिंह के. दुबे चॅरिटेबल ट्रस्ट की ट्रस्टी एवं नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज की स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग प्रमुख प्रोफेसर डॉ. ऋजुता दुबे ने उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों को सम्मानित किया। इस आरोग्य शिविर का सफल आयोजन भारतीय जनता पार्टी के नेता अमित ओमप्रकाश दुबे ने किया।

कविता भारती भाव रिश्तों की अहमियत

आदमी को धन और पैसा कमाना जितना मुश्किल है।
सच है आदमी को आदमी कमाना उतना ही मुश्किल है।

गंवाना है पैसा जितना आसान रिश्ता गंवाना भी आसान।
गया पैसा जल्दी आता नहीं रिश्ते जोड़ना भी मुश्किल है।

पाई पाई राई राई जोड़ जो बनाया धन का खजाना हमने।
बह जायेगा पानी की तरह रोक पाना और भी मुश्किल है।

खाना और खजाना रखते सात पर्दो में रिश्तों परवाह नहीं।
टूटे रिश्तों को फिर अपना बना पाना और भी मुश्किल है।

खून का रिश्ता ही होता नहीं अपना रिश्ते दिल के होते हैं।
गया जो रूठ दूर हमसे पास बुला पाना और भी मुश्किल है।

गवाया धन तो फिर कमा ले शायद हम जिंदगी में कभी।
जिदंगी अधूरी तेरे बिना जिंदा रह पाना और भी मुश्किल है।

भारती करता भाव किस बात का अनमोल रिश्तो बिना।
अपनों बिना मकान को घर बना पाना और भी मुश्किल है।

श्याम कुंवर भारती
बोकारो, झारखंड

श्री रामलीला कमेटी ग्रेटर नोएडा साइट–4 में 23 सितंबर से होगा भव्य लीला मंचन

रिपोर्टः मौहम्मद इल्यास "दनकौरी"

सेंट्रल पार्क में तैयारियां पूरी, प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आयोजकों ने दी जानकारी

श्री रामलीला कमेटी ग्रेटर नोएडा साइट–4 द्वारा सेंट्रल पार्क में 23 सितंबर से शुरू होने वाले भव्य रामलीला मंचन की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आगामी आयोजन को लेकर कमेटी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर सभी तैयारियों की विस्तृत जानकारी साझा की। आयोजकों ने बताया कि रामलीला मंचन में धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को भव्य स्वरूप में प्रस्तुत किया जाएगा। विशेष प्रकाश सज्जा, आकर्षक झांकियां और आधुनिक साउंड सिस्टम का उपयोग इस बार दर्शकों को एक अलग अनुभव देगा।

कमेटी के पदाधिकारियों ने कहा कि लीला मंचन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक धरोहर को संजोने का माध्यम भी है।

शेयर बाजार पर ट्रंप के एच–1बी वीजा शुल्क का असर, आईटी शेयरों में दर्ज हुई गिरावट

मुंबई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एच–1बी वीजा शुल्कों में बढ़ोतरी किए जाने के बाद आज (22 सितंबर) भारतीय शेयर बाजार में आईटी शेयरों में गिरावट देखने को मिल रही है। आज सुबह–सुबह निफ्टी आईटी 3.5 प्रतिशत से ज्यादा टूटा गया, जबकि बेंचमार्क निफ्टी लगभग 0.5 प्रतिशत गिर गया। ट्रंप ने आदेश पर हस्ताक्षर कर शुल्क बढ़ाकर 1 लाख डॉलर (लगभग 88 लाख रुपये) कर दिया।

यह नए आवेदनों पर लागू होगी और इसका असर आने वाले वर्षों में दिखाई देगा। सोमवार को निफ्टी के सभी आईटी शेयर लाल निशान में रहे। टेक महिंद्रा 5.8 प्रतिशत तक गिरा, जबकि एम्फैसिस और पर्सिस्टेंट सिस्टम्स में 5 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट हुई। टीसीएस, विप्रो, एचसीएल टेक, इन्फोसिस, कॉफोरर्ज और एलटीआई माइंडट्री के शेयरों में भी 3–5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई। ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज का स्टॉक 1.4 प्रतिशत गिरा। निवेशक नई नीति से कंपनियों की लागत बढ़ने की आशंका से सतर्क नजर आए। विशेषज्ञों का कहना है कि नई शुल्क वृद्धि भारतीय आईटी कंपनियों के ऑन–साइट स्टाफिंग पर दबाव डाल सकती है। हालांकि, कंपनियों ने पहले ही एच–1बी वीजा पर निर्भरता कम कर दी है।

ज्ञान सरोवर
(हिन्दी साप्ताहिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक पूजा प्रसाद पाण्डेय द्वारा नवभारत प्रेस लि. नवभारत भवन, प्लाट नं.13, सेक्टर–8, सानपाड़ा (पूर्व) नवी मुम्बई 400706 (एम.एस.) से मुद्रित तथा 11 गोकुलेश सोसायटी, पंडित मदन मोहन मालवीय रोड, मुलुण्ड (प.) मुम्बई 400080 (एम.एस.) से प्रकाशित।

सम्पादक

पूजा प्रसाद पाण्डेय

मो0– 9833567799

R.N.I.No.MAHHIN/2009/27377

Email: editor@gyansarovar.org
www.gyansarovar.org

समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारों/लेखों में लेखकों तथा संवाददाताओं के अपने विचार हैं। किसी भी लेख/समाचार की जिम्मेदारी प्रकाशक/सम्पादक की नहीं होगी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय होगा।